अंकयोजना (Marking Scheme) XII Class 2025-26

संस्कृतम् ऐच्छिकम् (Sanskrit Elective)

(QP Code) - 49 Set - 4 MM- 80

सामान्य निर्देश:-

1	सीबीएसई ने 2026 की परीक्षा से कक्षा XII की उत्तर पुस्तिका के मूल्यांकन के लिए ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) शुरू करने का निर्णय लिया है।
2	आप जानते हैं कि उम्मीदवारों के वास्तविक और सही आकलन में मूल्यांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी गलती भी गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकती है, जिससे उम्मीदवारों, शिक्षा प्रणाली और शिक्षण पेशे के भविष्य पर गहरा असर पड़ सकता है। गलतियों से बचने के लिए, आपसे अनुरोध है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले, मौके पर किए गए मूल्यांकन के दिशानिर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और समझें।
3	"मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। किसी भी तरह से इसका सार्वजनिक होना परीक्षा प्रणाली को बाधित कर सकता है और लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति/दस्तावेज़ को किसी के साथ साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना बोर्ड के विभिन्न नियमों और आईपीसी के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।"
4	मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना चाहिए। यह किसी की व्यक्तिगत व्याख्या या अन्य किसी विचार के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। अंकन योजना का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। हालांकि, मूल्यांकन करते समय, नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित और/या नवीन उत्तरों की शुद्धता का अलग से मूल्यांकन किया जा सकता है और उन्हें उचित अंक दिए जा सकते हैं। कक्षा XII में, दो योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और यदि उत्तर अंकन योजना के अनुसार नहीं है, लेकिन उम्मीदवार द्वारा सही योग्यता का उल्लेख किया गया है, तो उचित अंक दिए जाने चाहिए।

5	अंकन योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए अंक दिए गए हैं। ये केवल दिशानिर्देश हैं और पूर्ण उत्तर नहीं हैं। छात्र अपनी अभिव्यक्ति दे सकते हैं और यदि अभिव्यक्ति सही है, तो तदनुसार अंक दिए जाने चाहिए।
6	मुख्य परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकित की गई पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं की जाँच करनी चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि कोई भिन्नता पाई जाती है, तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद उसे शून्य कर दिया जाना चाहिए। शेष उत्तर पुस्तिकाएँ, जिनका मूल्यांकन किया जाना है, तभी दी जाएँगी जब यह सुनिश्चित हो जाए कि प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के अंकन में कोई महत्वपूर्ण भिन्नता नहीं है।
7	मूल्यांकनकर्ता सही उत्तरों पर (√) चिह्न लगाएंगे। गलत उत्तरों पर 'X' का निशान लगाया जाएगा। मूल्यांकन करते समय मूल्यांकनकर्ता सही (✓) चिह्न नहीं लगाएंगे, जिससे यह आभास होगा कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिए जाएंगे। यह मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा की जाने वाली सबसे आम गलती है।
8	यदि किसी प्रश्न के कई भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए OSM पोर्टल में दाईं ओर अंक दें। प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को OSM सिस्टम द्वारा कुल मिलाकर जोड़ा जाएगा।
9	यदि किसी प्रश्न के कोई भाग नहीं हैं, तो OSM पोर्टल में बाईं ओर के हाशिये में अंक दिए जाने चाहिए। इसका सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।
10	किसी त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटे जाएंगे। इसके लिए केवल एक बार ही दंड दिया जाना चाहिए।
11	उत्तर के लिए पूर्ण अंक प्रणाली <u>60</u> (उदाहरण के लिए प्रश्न पत्र में दिए गए 0 से 80/70/60/50/40/30 अंक) का उपयोग किया जाना है। यदि उत्तर उचित हो तो पूर्ण अंक देने में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को अनिवार्य रूप से पूरे कार्य समय यानी प्रतिदिन 8 घंटे मूल्यांकन कार्य करना होगा और मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं और अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (विवरण स्पॉट दिशानिर्देशों में दिया गया है)। यह कम किए गए पाठ्यक्रम और प्रश्नपत्र में प्रश्नों की संख्या को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

13	सुनिश्चित करें कि आप परीक्षक द्वारा अतीत में की गई निम्नलिखित सामान्य त्रुटियों को न दोहराएँ: ● उत्तरों को सही चिह्नित करना, लेकिन अंक न देना। (सुनिश्चित करें कि सही निशान स्पष्ट रूप से लगा हो। यह केवल एक रेखा होनी चाहिए। गलत उत्तर के लिए X का निशान भी ऐसा ही होना चाहिए।) उत्तर का आधा या आंशिक भाग सही और शेष गलत चिह्नित करना, लेकिन अंक न देना।
14	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो उसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
15	वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले परीक्षकों को "मौके पर मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश" में दिए गए दिशा-निर्देशों से स्वयं को परिचित कर लेना चाहिए।
16	निर्धारित प्रोसेसिंग शुल्क का भुगतान करने पर उम्मीदवारों को अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने का अधिकार है। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/मुख्य परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए निर्धारित अंकों के अनुसार ही किया जाए।
17	अगर कोई कैंडिडेट किसी सवाल में दोनों ऑप्शन आज़माता है, जहाँ सिर्फ़ एक ऑप्शन आज़माना ज़रूरी है, तो इवैल्यूएटर दोनों ऑप्शन में मार्क्स देगा। सिस्टम दो में से ज़्यादा वाला स्कोर लेगा और दूसरे जवाब को नज़रअंदाज़ कर देगा।
18	दो विकल्पों वाले प्रश्न में, यदि उम्मीदवार ने केवल एक का प्रयास किया है, तो मूल्यांकनकर्ता उस विकल्प के सामने "एनए" (प्रयास नहीं किया गया) चिह्नित करेगा जिसका उम्मीदवार द्वारा प्रयास नहीं किया गया है।

कृपया ध्यान दीजिएः

1. कुछ प्रश्नों के विकल्पात्मक उत्तर भी हो सकते हैं। इस अङ्क योजना में दिए गए उत्तर निदर्शनात्मक हैं। इनके अतिरिक्त भी संदर्भानुसार सही उत्तर हो सकते हैं, अतः अङ्क दिए जाएँ।
2. अनुच्छेद अथवा श्लोकों पर आधारित प्रश्न अवबोधनात्मक हैं। विद्यार्थी अनुच्छेद में दिए गए शब्दों के स्थान पर पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग भी कर सकते हैं, इसके लिए भी अङ्क

दिए जाएँ। विद्यार्थी उत्तर देते समय उपयुक्त विभक्ति अथवा वचन का प्रयोग नहीं करते तो अंशतः अङ्क काटे जाएँ, संपूर्ण नहीं ।

3. त्रुटिपूर्ण वर्तनी अथवा अशुद्ध व्याकरणात्मक प्रयोगों के लिए अनुपाततः अङ्क काटे जाएँ न कि पूरे अङ्क ।

4. आंशिक दृष्टि से सही उत्तरों के लिए भी अंशतः अङ्क अवश्य दिए जाएँ।

5. खण्ड "ख" में (रचनात्मकं कार्यम्) के अंतर्गत विषयप्रतिपादन और वाक्य संरचना प्रमुख हैं, न कि वाक्य का सौंदर्य-तत्त्व । आंशिक वाक्य-शुद्धता के लिए भी अङ्क दिए जाएँ।

6. जिन प्रश्नों में बच्चों को उत्तर लिखने के लिए अतिरिक्त प्रश्न दिए गए हैं, वहाँ किसी भी क्रम में प्रश्नों के सही उत्तर लिखने पर अङ्क दिए जाएँ। जैसेः- दिए गए 3 प्रश्नों में से किन्हीं भी 2 सही उत्तरों पर अङ्क दिए जाएँ ,चाहे 3 में से पहला उत्तर गलत ही हो, अन्तिम दो प्रश्नों को सही माना जाए।

संकेतात्मक उत्तर व अंक-विभाजन

खण्डः "क" (अपठितावबोधनम्) 10 अङ्काः

1-(अ)एकपदेन उत्तरत- (केवलं प्रश्नद्वयम्) 2×1=2

(i)विज्ञानस्य (ii) दूरदर्शनेन (iii)चिकित्साक्षेत्रे ।

(आ) पूर्णवाक्येन उत्तरत (केवलं प्रश्नद्वयम्) 2×2=4

(i) मानवजीवने विज्ञानस्य सदुपयोगेन लाभाः दुरुपयोगेन हानयः च भवन्ति ।

(ii)सञ्चारक्षेत्रेषु विशेषतः विज्ञानस्य प्रभावः विस्मयकारकः अवलोक्यते।

(iii)वैज्ञानिकैः अत्याधुनिकानि अस्त्राणि निर्माय जीवानाम् अस्तित्वमपि विनाशमुखे प्रेषितम्।

(इ)विज्ञानम् / विज्ञानस्य युगम् / आधुनिकं युगं विज्ञानस्य युगम् अथवा अन्य उपयुक्त शीर्षक। 1

(ई) यथानिर्देशमुत्तरत-(केवलं प्रश्नत्रयम्) 1×3=3

(i) (घ) वर्तते (ii) (ख) युगम् (iii) (ख) परस्परम् (iv) (ख) वयम्।

खण्डः ख (रचनात्मककार्यम्) (10अंकाः)

2- पत्रलेखनम् 5

छात्राः प्रदत्तसङ्केतानां सहायतया स्वमत्यनुसारं पत्रं लेखिष्यन्ति ।

प्रथमं सोपानम् (Step)- स्थानसङ्केतः,अभिवादनम् - 1 अंक

द्वितीयं सोपानम् (Step)-जन्तुशालायाः वैशिष्ट्यवर्णाय - 3 अंक

तृतीयं सोपानम्(Step) - समापनम् - 1 अंक

अथवा

छात्राः स्वमत्यनुसारं प्रधानाचार्यं प्रति पत्रं लेखिष्यन्ति ।

प्रथमं सोपानम् (Step)- सम्बोधनम्, स्थानसङ्केतः- 1 अंक

द्वितीयं सोपानम् (Step)- विषयलेखनम् - 1 अंक

तृतीयं सोपानम्(Step) - विषयवस्तु - 2 अंक

चतुर्थं सोपानम्(Step) - समापनम् - 1 अंक

3- (क) छात्राः प्रदत्तविषये संस्कृतेन **अनुच्छेदं** लेखिष्यन्ति । 5

प्रथमं सोपानम् (Step)- आरम्भः - 1 अंक

द्वितीयं सोपानम् (Step)- विषयविस्तारः - 3 अंक

तृतीयं सोपानम्(Step) - उपसंहारः - 1 अंक

अथवा

(ख) **अनुवादः** 5×1=5

(i) ताः मिलित्वा/परस्परं खेलन्ति/क्रीडन्ति।

(ii) भारतं पर्वणाम्/उत्सवानां देशः अस्ति।

(iii) वयं ह्यः चलचित्रं द्रष्टुम् / चलचित्र-दर्शनाय अगच्छाम।

(iv) चिकित्सकः रुग्णाय/रोगिणे औषधं यच्छति/ददाति ।

(V) त्वं/यूयं रात्रौ अल्पभोजनं कुर्याः/कुर्यात। **अथवा** त्वया/युष्माभिः रात्रौ अल्पभोजनं कर्तव्यम्/करणीयम्।

(vi) अहं प्रतियोगितायै न गमिष्यामि।

(vii) युवां बहिः गच्छतम् ।

खण्डः ग (अनुप्रयुक्तव्याकरणम्) 15 अंकाः

4 - सन्धिं/सन्धिविच्छेदम् (केवलं प्रश्नत्रयम्) 3×1=3

(क)चात्महनो (ख)कश्चित्

(ग)कक्षाम्+ समापयतु (घ) कृतप्रतिज्ञः + असौ

5- प्रकृतिप्रत्ययम्- (केवलं प्रश्नत्रयम्) 3×1=3

(i) (C) अर्थी

(ii) (A) कथ्+तव्यत्

(iii) (B) लब्धा

(iv) (D) स्ना+क्त ।

6- अव्ययपदम्- (केवलं प्रश्नत्रयम्) 3×1=3

(क) न (ख) च

(ग) मा (घ) वा

7- विभक्ति-प्रयोगः (केवलं प्रश्नत्रयम्) 3×1=3

(क) स्वार्थोपपतिम् (ख) तत्/तम्

(ग) परिचयम् (घ) निजकार्यात्

8- समासः (केवलं प्रश्नत्रयम्) 3×1=3

(i) (C) विश्वासस्य पात्रम् (ii) (B) माता च पिता च

(iii) (A) देदीप्यमानशरीरः (iv) (B) अनार्या

खण्डः घ (i) पठितावबोधनम् 25 अंकाः

9- गद्यांशः इस प्रश्न का मूल उद्देश्य अवबोधन परीक्षण है। बच्चे पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग कर सकते हैं। पूर्ण अङ्क दिये जायें। आंशिक उत्तर सही होने पर आंशिक अङ्क दिये जायें।

(अ)एकपदेन उत्तरत (केवलं प्रश्नद्वयम्) 2×1/2=1

(i) राजा (ii) चतुर्णाम्

(iii) पुत्तलिका

(आ) पूर्णवाक्येन उत्तरत (केवलं प्रश्नद्वयम्) 2×1=2

(i) ब्राह्मणः राजसमीपम् आगत्य चतुर्णां विवादवृत्तान्तम् अकथयत्।

(ii) पुत्तलिका राजानम् अवदत् यत् भो राजन्! त्वय्येवंविधसहजमौदार्यं विद्यते चेत् अस्मिन् सिंहासने समुपविश ।

(iii) राजा ब्राह्मणाय चत्वार्यपि रत्नानि ददौ ।

(इ) निर्देशानुसारमुत्तरत (केवलं प्रश्नद्वयम्) 2×1=2

(i) त्वम्/राजा/राजन् (ii) तूष्णीम् (iii)सहजम्

10- पद्यांशः इस प्रश्न का मूल उद्देश्य अवबोधन परीक्षण है। बच्चे पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग कर सकते हैं ,पूर्ण अङ्क दिये जायें। आंशिक उत्तर सही होने पर आंशिक अङ्क दिये जायें।

(अ) एकपदेन उत्तरत (केवलं प्रश्नद्वयम्) 2×1/2=1

(i) वासहेतोः (ii) व्यसनेषु (iii) क्रियायाः/ क्रियाविधिज्ञम्

(आ) पूर्णवाक्येन उत्तरत (केवलं प्रश्नद्वयम्) 2×1=2

(i) उत्साहेन सम्पन्नं नरं लक्ष्मीः स्वयं वासहेतोः वाञ्छति ।

(ii) उत्साहसम्पन्नमदीर्घसूत्रं क्रियाविधिज्ञं व्यसनेष्वसक्तं शूरं कृतज्ञं दृढनिश्चयञ्च नरं लक्ष्मीः वासार्थं वाञ्छति ।

(iii) लक्ष्मीः वासहेतोः क्रियाविधिज्ञं नरं वाञ्छति ।

(इ) यथा निर्देशमुत्तरत - (केवलं प्रश्नद्वयम्) 2×1=2

(i) वाञ्छति (ii) कृतज्ञम् (iii) दृढम्

11 नाट्यांशः - इस प्रश्न का मूल उद्देश्य अवबोधन परीक्षण है। बच्चे पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग कर सकते हैं। पूर्ण अङ्क दिये जायें। आंशिक उत्तर सही होने पर आंशिक अङ्क दिये जायें।

(अ) एकपदेन उत्तरत। (केवलं प्रश्नद्वयम्). 2×1/2=1

(i) वध्वा/वत्सया (ii) अश्वः (iii) कौसल्या

(आ) पूर्णवाक्येन उत्तरत । (केवलं प्रश्नद्वयम्) 2×1= 2

(i) कौसल्या लवं मातुः विषये पृच्छति।

(ii) लवं दृष्ट्वा जनकस्य मनः उत्पथैः पारिप्लवं धावति।

(iii) अश्वं दृष्ट्वा बटवः लवं कथयन्ति यत् कुमार! अश्वोऽश्व---------- प्रत्यक्षीकृतः ।

(इ) निर्देशानुसारम् उत्तरत । (केवलं प्रश्नद्वयम्) 2×1=2

(i) मनः (ii) न (iii) वाल्मीकेः

12 प्रश्ननिर्माणम् (केवलं प्रश्नचतुष्टयम्)। 4×1=4

(क) कस्मै (ख) कया (ग) कस्मै

(घ) कम् (ङ) कस्मिन्/कुत्र

13 अन्वयः - 3

तस्मात् सततम् असक्तः कार्यं कर्म एव समाचर । हि असक्तः कर्म आचरन् पूरुषः परम् आप्नोति।

14 छात्राः श्लोकस्य **भावार्थं** संस्कृतभाषया लेखिष्यन्ति । 3

अथवा

छात्राः 'योगस्य वैशिष्ट्यम्' इति पाठस्य **सारांशं** संक्षेपेण संस्कृतभाषया लेखिष्यन्ति ।

खण्डः घ (ii) संस्कृतसाहित्येतिहासस्य सामान्यः परिचयः 10 अंकाः

15- केवलं प्रश्नत्रयम् 3×1=3

(i) (C) भारवेः (ii) (D) अष्टादश

(iii) (B) जयानकः (iv) (D) विक्रमाङ्कदेवचरिते ।

16- केवलं प्रश्नत्रयम् 3×1=3

(i) (B) पदलालित्यम् (ii) (C) अम्बिकादत्तव्यासः

(iii) (A) नलचम्पूः (iv) (B) हरिचन्द्रः ।

17- केवलं प्रश्नचतुष्टयम् 4×1=4

(i) (D) विक्रमोर्वशीयम् (ii) (B) महाभारते (iii) C दश

(iv) (C) भवभूतिः (v) (B) नागानन्दः ।

खण्ड ङ छन्दोऽलङ्कारपरिचयः 10 अङ्काः

18- (अ) केवलं प्रश्नत्रयम् 3×1=3

(i) मालिनी

(ii) छात्राः उदाहरणं लेखिष्यन्ति -

यथा - धूमज्योतिः------ क्व मेघः।

(iii) Iss यगण

(iv) वसन्ततिलका प्रतिचरणं चतुर्दश वर्णाः

(आ)केवलं प्रश्नद्वयम् 2×1=2

(i)वंशस्थः (ii) अनुष्टुप् (iii) उपजातिः

19- **(अ) केवलं प्रश्नत्रयम्** 3×1=3

(i) भवेत्सम्भावनोत्प्रेक्षा प्रकृतस्य परात्मना ।

(ii) छात्राः उदाहरणं लेखिष्यन्ति यथा प्रतिकूलतामुपगते हि ----।

(iii) तद्रूपकमभेदो यः उपमानोपमेययोः ।

(iv)उपमा ।

(आ) केवलं प्रश्नद्वयम् 2×1=2

(i) उपमा (ii) यमकम् (iii) उपमा